बंगाल के 19 लाख एमएसई में से केवल 40 लिस्टेड : राममूर्ति

कोलकाता बीएसई लिमिटेड के प्रबंध निदेशक व सीईओ सुंदररमन राममूर्ति ने गुरुवार को कहा कि भारत में छह करोड़ एसएमई हैं। ये सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% का योगदान करते हैं। इन्होंने देश के 25 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। हर दिन 75 करोड़ लोगों का पेट भरते हैं। पश्चिम बंगाल में 19 लाख एसएमई रजिस्टर्ड हैं। इस राज्य के एक करोड़ से ज्यादा लोगों को एसएमई से रोजगार मिला है। इनमें 50 लाख महिलाएं शामिल है, लेकिन पश्चिम बंगाल में एनएसई से केवल 40 एमएसई ही लिस्टेड है। यह साबित करता है कि एसएमई को जागरूक करने की जरूरत है। वे महानगर के एक होटल में एसएमई आईपीओ के संबंध में समझाने के लिए आयोजित एक विशेष सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन

सुंदररमन राममूर्ति

कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स ने किया था।

कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हरि शंकर हलवासिया ने इस मौके पर कहा कि एमएसएमई और एसएमई भारत की आर्थिक वृद्धि की रीढ़ हैं।

वे सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% का योगदान यही नहीं करते हैं बल्कि निर्यात, रोजगार, नवाचार और सामाजिक समावेशन का समर्थन भी करते हैं। हालांकि, कई एसएमई को विकास के लिए आवश्यक धन जुटाना मुश्किल हो जाता है।

इस स्थिति में एसएमई आईपीओ सार्वजनिक निवेशकों से सीधे पूंजी जुटाने में मदद करता है। इस मौके पर कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत सहारिया, उपाध्यक्ष अनुराग झुनझुनवाला के अलावा कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यगण और अतिथि मौजूद थे।